पाठ 16. कहानी टेलीफ़ोन की

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ के माध्यम से बच्चों को संचार के प्रमुख साधन टेलीफ़ोन के आविष्कार की जानकारी दी गई है। आवश्यकताओं के कारण नई-नई खोजें की गई हैं जो हमारे जीवन को सरल बनाती है। नई-नई तकनीकों की जानकारी प्रदान करना तथा किसी भी काम को सफल करने के लिए बार-बार कोशिश करते रहना तथा हार न मानने की सीख देना ही इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है।

पाठ का सारांश

शुभा के भाई के विवाह की तिथि तय हो गई और घरवालों ने मेहमानों को बुलाने के लिए टेलीफ़ोन से निमंत्रण देना आसान समझा। ये टेलीफ़ोन भी एक अदभुत चीज़ है। एलैग्जंडर ग्राहम बेल द्वारा इसकी खोज डेढ़-दो सौ साल पहले अमेरिका में हुई। बेल एक अध्यापक थे और एक दिन उनके मन में विचार आया कि आवाज़ की थरथराहट को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाई जा सकती है। उन्होंने यह बात अपने साथी वाटसन को बताई। वाटसन बिजली के कारखाने में काम करते थे। बेल ने उन्हें बताया कि बिजली के तार के सहारे दूर बैठे एक-दूसरे की आवाज़ सुन सकते हैं। वाटसन ने एक लंबा तार लेकर उसके एक सिरे पर झिल्ली लगाई और दोनों एक-एक सिरा पकड़कर दूर हो गए। वाटसन ने झिल्ली कान में लगाई और बेल ने झिल्ली के सामने सीटी बजाई। फिर वाटसन दौड़कर आया और कहा मुझे तुम्हारी आवाज़ साफ़-साफ़ सुनाई पड़ी। उसी समय बेल ने मन में सोचा कि मैं ऐसा यंत्र बनाऊँगा। जिससे दूर-दूर रहने वाले लोग बातचीत कर सकेंगे।

वाटसन और बेल दिन-रात टेलीफ़ोन बनाने में लगे रहे। एक दिन बेल ने एक झिल्ली अपने मुँह के सामने रखी और दूसरी झिल्ली वाटसन ने कान से लगाई। बेल की आवाज़ वाटसन को इस तरह सुनाई दी जैसे वह उसके पास खड़ा हो। उन्होंने इस तरह टेलीफ़ोन बना लिया था। उसके बाद बेल ने अपने नाम पर एक कंपनी बनाकर इसका प्रचार-प्रसार किया। धीरे-धीरे टेलीफ़ोन की उपयोगिता समझ में आई। किसी के बीमार पड़ने पर टेलीफ़ोन के कारण डॉक्टर को भी घर बुलाना आसान हो गया।

अध्यापन संकेत

पाठ पठन से पूर्व **पहले पहल** में दी गई गतिविधि बच्चों से करवाएँ। नई-नई तकनीकों तथा संचार के साधनों के बारे में बच्चों से चर्चा करें। उनसे पूछें कि पहले ज़माने में संचार के साधन क्या हुआ करते थे? क्या उन्होंने लैंडलाइन टेलीफ़ोन देखा है? स्मार्टफ़ोन आने से क्या सुविधाएँ हुई हैं? आदि। पाठ का वाचन करें। बच्चों से भी करवाएँ। बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें ताकि रोचकता बनी रहे।
उनसे पूछिए तथा समझाइए–

- क्या उन्होंने कभी कुछ बनाने की कोशिश की है?
- कोशिश करते रहने से क्या होता है?
- यदि कोई काम नहीं हो रहा है तो क्या हमें हार मान लेनी चाहिए?
- बच्चों को बताएँ कि हमें मिल-जुलकर काम करना चाहिए।
- उन्हें यह भी समझाएँ कि आज के युग में तकनीक हमारे जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन गई है।
- उन्हें ऑनलाइन कक्षा, ऑनलाइन खरीदारी आदि के बारे मे भी बताएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।